Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 27 April 2024

Dainik Jagran Page - 02, 04

गोवि में अब एआइ, आइओटी और डाटा साइंस की भी पढ़ाई

इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग में होगा पाठ्यक्रम का संचालन

- इसी सत्र से शुरू होंगे तीनों पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया जल्द
- मशीन लर्निंग पाठ्यक्रम में दी जाएगी बीसीए की डिग्री

"समय की मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय में एमएस एआई, बीसीए आईओटी और बीसीए मशीन लर्निंग एवं डाटा साइंस इस सत्र से शुरू करने की योजना है। तीनों पाठ्यक्रम नाइलेट के सहयोग से इंजीनियरिंग विभाग में चलेंगे। इनके लिए जल्द ही आवेदन लिए जाएंगे।"

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : बाजार की मांग के मुताबिक पाठ्यक्रमों को अपनाने की दिशा में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा। विश्वविद्यालय प्रशासन अपने परिसर में एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), डाटा साइंस व मशीन लर्निंग और आइओटी (इंटरनेट आफ थिंग्स) का पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा। इसकी योजना बना ली गई है। तीनों ही पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग के दायरे में संचालित किए जाएंगे।

एआइ में मास्टर आफ साइंस का पाठ्यक्रम शुरू होगा तो डाटा साइंस व मशीन लर्निंग में बीसीए की डिग्री दी जाएगी। आइओटी भी बीसीए से ही जोड़ा जाएगा। तीनों ही पाठ्यक्रमों के संचालन में नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी) का सहयोग लिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने बीते दिनों अकादमिक सहयोग के लिए नाइलिट से अनुबंध किया था। इन पाठ्यक्रमों को जल्द ही बोर्ड आफ स्टडीज में रखा जाएगा और फिर संचालन के लिए कार्य परिषद की अनुमति ली जाएगी। विश्वविद्यालय की योजना इसी सत्र से इन पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू करने की है। जल्द प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने तैयारी है।

एआइ में 30 और आइओटी व डाटा साइंस में होंगी 60 सीटें: इंजीनियरिंग विभाग में चलने वाले इन पाठ्यक्रमों को लेकर सीटों का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। मास्टर आफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 30, बीसीए इन आइओटी में 60 और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में भी 60 सीटें पर प्रवेश लिया जाएगा। सीटों को ध्यान में रखकर इसके लिए आधारिक संरचना तैयार करने की दिशा में विश्वविद्यालय ने कदम बढ़ाया है।

अगले महीने शुरू होगा आवेदन : विश्वविद्यालय में बीसीए के लिए आवेदन चार अप्रैल से ही शुरू हो गया था। परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण अभी शुरू नहीं हुआ है। इन तीनों पाठ्यक्रमों को हरी झंडी मिलने के बाद वित्त समिति में इसकी फीस का निर्धारण किया जाएगा। इसके बाद मई में इसके लिए पंजीकरण शुरू करने की तैयारी है।

कार्यक्रम से एक दिन पूर्व होगा स्थापना दिवस का पूर्वाभ्यास

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने शुक्रवार को एक मई को मनाए जाने वाले 74वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। कुलपति ने बताया कि 30 अप्रैल को स्थापना दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। (विज्ञप्ति)

Amar Ujala Page - 02, 04

स्थापना दिवस से पहले सजेगा गोरखपुर विश्वविद्यालय

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने की 74वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

समीक्षा बैठक को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन। स्रोत-विश्वविद्यालय

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शुक्रवार को एक मई को मनाए जाने वाले 74वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक की।

कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पूरे विश्वविद्यालय को सजाया जाएगा। विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख भवनों पर रोशनी बिखेरी जाएगी।

उन्होंने विश्वविद्यालय के भवनों पर सजावटी लाइट की व्यवस्था करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कुलपति ने कहा कि 30 अप्रैल को स्थापना दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास किया जाएगा।

इस पूर्वाभ्यास में सभी शिक्षक, स्वर्ण पदक पाने वाले मेधावी और युवा महोत्सव तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले छात्र, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक और रोवर्स रेंजर्स के स्वयंसेवक भी सहभागिता करेंगे।

विद्यार्थियों ने ट्रैवल मॉर्ट में दिखाया अतिथि प्रबंधन का हुनर

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी (बीएचएमसीटी) के विद्यार्थियों ने योगिराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित यूपी ट्रैवल मॉर्ट 2024 में अतिथि प्रबंधन का हुनर दिखाया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के मार्गदर्शन में छात्रों ने इवेंट मैनेजमेंट से संबंधित तकनीकी ज्ञानवर्धक बातें सीखीं। कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य सचिव डीएस मिश्रा उपस्थित रहे। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष प्रतीक हीरा ने कुलपति प्रो. पूनम टंडन, डीन प्रो. श्रीवर्धन पाठक एवं होटल प्रबंधन और केटरिंग टेक्नोलॉजी के समन्वयक डॉ. अंशु गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया। संवाद

डीडीयू : एआई और डाटा साइंस के कौशल सीखेंगे विद्यार्थी

इस सत्र से एमएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए आईओटी, बीसीए डाटा साइंस

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने हमारे जीवन में जगह बनाना शुरू कर दिया है। ऐसे में अब गोरखपुर विश्वविद्यालय भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस पर पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसी सत्र से एमएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए आईओटी और बीसीए डाटा साइंस एवं मशीन लर्निंग शुरू होगा।

इन पाठ्यक्रमों को लेकर पहल शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय ने हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (नाइलेट) से एमओयू किया था। उसी के सहयोग से ये कोर्स चलाए जाएंगे। तीनों कोर्स इंजीनियरिंग संकाय के अधीन चलाए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों को जल्द ही बोर्ड ऑफ स्टडीज में रखा जाएगा।

नाइलेट के सहयोग से चलेंगे तीनों कोर्स, इसी सत्र से शुरू होगा संचालन

"समय की मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय में एमएस एआई, बीसीए आईओटी और बीसीए मशीन लर्निंग एवं डाटा साइंस इस सत्र से शुरू करने की योजना है। तीनों पाठ्यक्रम नाइलेट के सहयोग से इंजीनियरिंग विभाग में चलेंगे। इनके लिए जल्द ही आवेदन लिए जाएंगे।" - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

एमएस एआई में 30 और बीसीए में 60 सीटें : इंजीनियरिंग विभाग में चलने वाले इन पाठ्यक्रमों को लेकर सीटों का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। मास्टर ऑफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 30, बीसीए इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स में 60 और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में भी 60 सीटें होंगी।

अगले महीने शुरू होगा आवेदन : विश्वविद्यालय में बीसीए के लिए आवेदन चार अप्रैल से ही शुरू हो गया था। परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण अभी शुरू नहीं हुआ है। इन तीनों पाठ्यक्रमों को हरी झंडी मिलने के बाद वित्त समिति में इसकी फीस का निर्धारण किया जाएगा।

Inext Page -02

नाइलेट के सहयोग से इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग में होगा पाठ्यक्रम का संचालन

अब डीडीयूजीयू में एआई, और डाटा साइंस की होगी पढ़ाई

इसी सत्र से शुरू होंगे तीनों पाठ्यक्रम, जल्द शुरू होगी प्रवेश की प्रक्रिया

"समय की मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय में एमएस एआई, बीसीए आईओटी और बीसीए मशीन लर्निंग एवं डाटा साइंस इस सत्र से शुरू करने की योजना है. तीनों पाठ्यक्रम नाइलेट के सहयोग से इंजीनियरिंग विभाग में चलेंगे. इनके लिए जल्द ही आवेदन लिए जाएंगे."

प्रो. पूनम टंडन, वीसी, गोरखपुर यूनिवर्सिटी

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (26 April): बाजार की मांग के मुताबिक पाठ्यक्रमों को अपनाने की दिशा में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा. विश्वविद्यालय प्रशासन अपने परिसर में एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), डाटा साइंस व मशीन लर्निंग और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) का पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा. इसकी योजना बना ली गई है. तीनों ही पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग के दायरे में संचालित किए जाएंगे. एआइ में मास्टर आफ साइंस का पाठ्यक्रम शुरू होगा तो डाटा साइंस व मशीन लर्निंग में बीसीए की डिग्री दी जाएगी. आइओटी भी बीसीए से ही जोड़ा जाएगा. तीनों ही पाठ्यक्रमों के संचालन में नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलाजी) का सहयोग लिया जाएगा. विश्वविद्यालय ने बीते दिनों अकादमिक सहयोग के लिए नाइलिट से अनुबंध किया था. इन पाठ्यक्रमों को जल्द ही बोर्ड आफ स्टडीज में रखा जाएगा और फिर संचालन के लिए कार्य परिषद की अनुमति ली जाएगी. विश्वविद्यालय की योजना इसी सत्र से इन पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू करने की है. जल्द प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने तैयारी है.

एआइ मे 30 और आइओटी व डाटा साइंस मे होगी 60 सीटे

इंजीनियरिंग विभाग में चलने वाले इन पाठ्यक्रमों को लेकर सीटों का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है. मास्टर आफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 30, बीसीए इन आइओटी में 60 और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में भी 60 सीटें पर प्रवेश लिया जाएगा. सीटों को ध्यान में रखकर इसके लिए आधारिक संरचना तैयार करने की दिशा में विश्वविद्यालय ने कदम बढ़ाया है.

अगले महीने शुरू होगा आवेदन

विश्वविद्यालय में बीसीए के लिए आवेदन चार अप्रैल से ही शुरू हो गया था. परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण अभी शुरू नहीं हुआ है. इन तीनों पाठ्यक्रमों को हरी झंडी मिलने के बाद वित्त समिति में इसकी फीस का निर्धारण किया जाएगा. इसके बाद मई में इसके लिए पंजीकरण शुरू करने की तैयारी है.

एम्स को मिली बीएससी, एमएसी और पीएचडी पाठ्यक्रमों को मंजूरी

GORAKHPUR (26 April): एम्स में शुक्रवार को छठी स्थायी शैक्षणिक समिति (एसएसी) की बैठक बोर्ड रूम में आयोजित की गई. साढ़े चार घंटे तक चली बैठक में बीएससी और एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों और पीएचडी पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई. इसके अलावा बैचलर ऑफ साइंस इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (बीएससी एमएलटी), बैचलर ऑफ साइंस इन मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (बीएससी एमआरआईटी) एनेस्थीसिया टेक्नोलॉजी और ऑप्टोमेट्री टेक्नोलॉजी में एलाइड हेल्थ साइंसेज (एएचएस) पाठ्यक्रम शुरू करने की भी मंजूरी दी गई. कार्यकारी निदेशक डॉ. जीके पाल ने बताया कि ये सभी एएचएस पाठ्यक्रम जुलाई से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र से लागू होंगे. इसके अलावा एमबीबीएस और नर्सिंग पाठ्यक्रमों की उपस्थिति और संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के लिए निर्णय लिया गया है. इससे न केवल शैक्षणिक सुविधा होगी, बल्कि इससे संस्थान की प्रगति के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के परिणामों का तेजी से मूल्यांकन और त्वरित प्रकाशन भी होगा. बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रो. अशोक जाह्नवी प्रसाद ने कहा कि अकादमिक समिति की बैठक में लंबित कई शैक्षणिक मुद्दों पर चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. इसका असर आने वाले वर्षों में एम्स की पढ़ाई और अन्य व्यवस्थाओं पर दिखेगा. इस दौरान प्रोफेसर डॉ. आरती लालचंदानी, पूर्व प्रिंसिपल और डीन जीएसवीएमएमसी कानपुर, डॉ. वीके तिवारी आदि मौजूद रहे.

Rashtriya Sahara Page - 05

कुलपति ने की तैयारियों की समीक्षा

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि की कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने 1 मई को मनाए जाने वाले 74वें स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा के लिए शुक्रवार को बैठक की।

बैठक में कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पूरे विवि को विवि के सभी प्रमुख भवनों पर रोशनी बिखेरी जाएगी। विवि के भवनों पर लाइटनिंग की व्यवस्था करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही सभी विशिष्ट पुरातन छात्र जिनको स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा उनको निमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है। शहर के प्रमुख गणमान्य नागरिकों को समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया जा रहा है।

■ विवि का 74वां स्थापना दिवस

30 अप्रैल को होगा पूर्वाभ्यास : कुलपति ने कहा कि 30 अप्रैल को स्थापना दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इस पूर्वाभ्यास में समस्त शिक्षकगण तथा स्वर्ण पदक पाने वाले मेधावी विद्यार्थी और युवा महोत्सव तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले छात्र, एनसीसी के कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक तथा रोवर्स रेंजर्स के स्वयंसेवक भी सहभागिता करेंगे।

छात्रों ने आतिथ्य प्रबंधन का हुनर दिखाया

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बैचलर आफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नालाजी (बीएचएमसीटी) के छात्रों ने गोरखपुर के योगीराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित यूपी ट्रैवल मार्ट- 2024 में आतिथ्य प्रबंधन का हुनर दिखाया।

उत्तर प्रदेश में पर्यटक आतिथ्य एवं पर्यटन संवर्धन के क्षेत्र में यूपी ट्रैवल मार्ट-2024 एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में भव्यता के साथ प्रारंभ किया गया। फेडरेशन आफ इंडियन

यूपी ट्रैवल मार्ट-2024

चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा 25 एवं 26 अप्रैल, 2024 को आयोजित द्वि-दिवसीय कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पूनम टंडन के नेतृत्व में होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नालाजी और मैनेजमेंट अध्ययन के छात्रों ने आयोजन कार्य बल के रूप में भाग लिया एवं इवेंट मैनेजमेंट से संबंधित तकनीकी ज्ञानवर्धक बातें सीखीं। कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्य सचिव डीएस मिश्रा उपस्थित रहे। फेडरेशन आफ इंडियन चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष प्रतीक हीरा ने कुलपति प्रो.पूनम टंडन,डीन प्रो.श्रीवर्धन पाठक एवं होटल प्रबंधन और कैटरिंग टेक्नालाजी के समन्वयक डा.अंशु गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने होटल मैनेजमेंट विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों की कड़ी मेहनत की भी सराहना की, जो छात्रों के लिए बहुत उत्साहजनक रहा।

कार्यक्रम में पुरस्कृत विश्वविद्यालय के बैचलर आफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलाजी की छात्र-छात्राएं।

Hindustan Page - 05, 06

एआई व डाटा साइंस का सीखेंगे कौशल

डीडीयू

- इसी सत्र से नाइलेट के सहयोग से इंजीनियरिंग विभाग में चलेंगे तीन कोर्स
- इन पाठ्यक्रमों को जल्द ही बोर्ड ऑफ स्टडीज में रखा जाएगा

गोरखपुर, निज संवाददाता। अब डीडीयू में इसी सत्र से एमएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए आईओटी और बीसीए डाटा साइंस एवं मशीन लर्निंग शुरू होगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस पर आधारित पाठ्यक्रम पाठ्यक्रमों को लेकर पहल शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय ने हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (नाइलेट) से एमओयू किया था। उसी के सहयोग से यह कोर्स चलाए जाएंगे।

तीनों कोर्स इंजीनियरिंग संकाय के अधीन चलाए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों को जल्द ही बोर्ड ऑफ स्टडीज में रखा जाएगा।

एमएस एआई में 30 और बीसीए में 60 सीटें: इंजीनियरिंग विभाग में चलने वाले इन पाठ्यक्रमों को लेकर सीटों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मास्टर ऑफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 30, बीसीए इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स में 60 और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में भी 60 सीटें होंगी।

अगले महीने शुरू होगा आवेदन

विश्वविद्यालय में बीसीए के लिए आवेदन चार अप्रैल से ही शुरू हो गया था। परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण अभी शुरू नहीं हुआ है। इन तीनों पाठ्यक्रमों को हरी झंडी मिलने के बाद वित्त समिति में इसकी फीस का निर्धारण किया जाएगा। इसके बाद मई में इसके लिए पंजीकरण शुरू हो सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस पर पाठ्यक्रम गोविवि शुरू करने जा रहा है। एमएस एआई, बीसीए आईओटी और बीसीए मशीन लर्निंग एवं डाटा साइंस इस सत्र से शुरू करने की योजना है। तीनों पाठ्यक्रम नाइलेट के सहयोग से इंजीनियरिंग विभाग में चलेंगे। आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

दुल्हन की तरह सजेगा डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। एक मई को मनाए जाने वाले 74वें स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने की।

बैठक में कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पूरे विश्वविद्यालय को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख भवनों पर रोशनी बिखेरी जाएगी। विश्वविद्यालय के भवनों पर लाइटिंग की व्यवस्था करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही सभी विशिष्ट पुरातन छात्रों को सम्मानित करने के लिए निमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है। शहर के प्रमुख गणमान्य नागरिकों को समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया जा रहा है।

Swatantra Chetna Page - 04

विश्वविद्यालय के छात्रों ने दिखाया आतिथ्य प्रबन्धन का हुनर

यूपी ट्रैवल मार्ट 2024 में गोवि के बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी के छात्रों ने किया आतिथ्य प्रबन्धन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (बीएचएमसीटी) के छात्रों ने गोरखपुर के योगीराज गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित यूपी ट्रैवल मार्ट 2024 में आतिथ्य प्रबन्धन का हुनर दिखाया।

उत्तर प्रदेश में पर्यटक आतिथ्य एवं पर्यटन संवर्धन के क्षेत्र में यूपी ट्रैवल मार्ट 2024 एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में भव्यता के साथ प्रारंभ किया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा 25 एवं 26 अप्रैल को आयोजित द्वि-दिवसीय कार्यक्रम ने न केवल राज्य की समृद्ध पर्यटन क्षमता का प्रदर्शन किया है, बल्कि अनुकरणीय कार्यबल संगठन का भी उदाहरण प्रस्तुत किया।

विश्विद्यालय के होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट अध्ययन के छात्रों ने आयोजन कार्यबल के रूप में भाग लिया एवं इवेंट मैनेजमेंट से संबंधित तकनीकी ज्ञानवर्धक बातें सीखीं।

कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव डी. एस. मिश्रा उपस्थित रहे।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष प्रतीक हीरा ने कुलपति प्रो.पूनम टंडन, डीन प्रो.श्रीवर्धन पाठक एवं होटल प्रबंधन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी के समन्वयक डॉ. अंशु गुप्ता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने होटल मैनेजमेंट विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों की कड़ी मेहनत की भी सराहना की, जो छात्रों के लिए बहुत उत्साहजनक रहा।

दुल्हन की तरह सजाया जाएगा विश्वविद्यालयः कुलपति

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने शुक्रवार को, 1 मई को मनाए जाने वाले 74वें स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पूरे विश्वविद्यालय को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख भवनों पर रोशनी बिखेरी जाएगी। विश्वविद्यालय के भवनों पर लाइटनिंग की व्यवस्था करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

इसके साथ ही सभी विशिष्ट पुरातन छात्र जिनको स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा उनको निमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है।

74वें स्थापना दिवस समारोह का किया जाएगा पूर्वाभ्यास

शहर के प्रमुख गणमान्य नागरिकों को समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया जा रहा है।

30 अप्रैल को होगा पूर्वाभ्यासः कुलपति ने कहा कि 30 अप्रैल को स्थापना दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इस पूर्वाभ्यास में समस्त शिक्षकगण तथा स्वर्ण पदक पाने वाले मेधावी विद्यार्थी और युवा महोत्सव तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले छात्र, एनसीसी के कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक तथा रोवर्स रेंजर्स के स्वयंसेवक भी सहभागिता करेंगे। सभी को एक साथ मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाना है।

Amar Ujala Select Page - 04

डीडीयू : एआई और डाटा साइंस के कौशल सीख सकेंगे विद्यार्थी

इस सत्र से शुरू होगा एमएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए आईओटी और बीसीए डाटा साइंस

गोरखपुर। शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने हमारे जीवन में जगह बनाना शुरू कर दिया है।

ऐसे में अब दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस पर पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसी सत्र से एमएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए आईओटी और बीसीए डाटा साइंस एवं मशीन लर्निंग शुरू होगा।

इन पाठ्यक्रमों को लेकर पहल शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय ने हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (नाइलेट) से एमओयू किया था। उसी के सहयोग से ये कोर्स चलाए जाएंगे। तीनों कोर्स इंजीनियरिंग संकाय के अधीन चलाए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों को जल्द ही बोर्ड ऑफ स्टडीज में रखा जाएगा।

इंजीनियरिंग विभाग में चलेंगे तीनों कोर्स, इसी सत्र से शुरू होगा संचालन

"समय की मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय में एमएस एआई, बीसीए आईओटी और बीसीए मशीन लर्निंग एवं डाटा साइंस इस सत्र से शुरू करने की योजना है। तीनों पाठ्यक्रम नाइलेट के सहयोग से इंजीनियरिंग विभाग में चलेंगे। इनके लिए जल्द ही आवेदन लिए जाएंगे।"

-प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

एमएस एआई में 30 और बीसीए में 60 सीटें : इंजीनियरिंग विभाग में चलने वाले इन पाठ्यक्रमों को लेकर सीटों का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। मास्टर ऑफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 30, बीसीए इन इंटरनेट ऑफ थिंग्स में 60 और बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस में भी 60 सीटें होंगी।

अगले महीने शुरू होगा आवेदन : विश्वविद्यालय में बीसीए के लिए आवेदन चार अप्रैल से ही शुरू हो गया था। परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण अभी शुरू नहीं हुआ है। इन तीनों पाठ्यक्रमों को हरी झंडी मिलने के बाद वित्त समिति में इसकी फीस का निर्धारण किया जाएगा। इसके बाद मई में इसके लिए पंजीकरण शुरू हो सकता है।